स्वप्न देखिए, प्रार्थना कीजिए, प्रयास कीजिए

आइआइएम के यंग चेंजमेकर्स कार्यक्रम में झारखंड हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने छात्रों को किया प्रेरित

जागरण संवाददाता, रांची : झारखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश संजय कुमार मिश्रा युवाओं को संबोधित करते हुए कहा, स्वप्न देखिए, प्रार्थना कीजिए और प्रयास कीजिए। सफलता के यही तीन मार्ग हैं। इन तीनों को ही आत्मसात करना पड़ेगा। ऐसा नहीं कि आप सपना देखिए और प्रयास छोड़ दीजिए। या प्रार्थना कीजिए और प्रयास छोड़ दीजिए। इससे आपको मंजिल नहीं मिलेगी। वे शुक्रवार को पुंदाग स्थित आइआइएम में यंग चेंजमेकर्स कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने युवाओं से कहा, केवल ज्ञान और कौशल ही काफी नहीं है। सामाजिक जिम्मेदारी की गहरी समझ भी होनी चाहिए। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा, आपके सामने अवसर आया है। भागिए नहीं। इसे गले लगाइए। लोगों से मिलने वाले अनुभवों को समझने की कोशिश कीजिए और अपने जीवन के अनुभव को और समृद्ध कीजिए। एक-एक ज्ञान, एक-एक अनुभव आपके जीवन की दिशा को बदल सकते हैं।

आइआइएम में यंग चेंजमेकर कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राएं • जागरण

आइआइएम में यंग चेंजमेकर कार्यक्रम में हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा को स्मृतिचिह्न सौंपते आइआइएम रांची के पदाधिकारी • जागरण

गांव जाकर समझ सकते हैं, कैसी होती है वहां की जिंदगी

कार्यक्रम में झारखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश संजय कुमार मिश्राने घरेलू महिलाओं का उदाहरण देते हुए कहा, वे पूरे घर का कामकाज संभालती हैं। घर का वे बेहतर प्रबंधन करती हैं। सुबह से लेकर शाम तक। आप भी प्रबंधन के छात्र हैं। आइआइएम का यह नोबल कार्यक्रम है। किसी ने कहा, भारत गांवों में बसता है। आप किसी कंपनी में जाएंगे। किसी कंपनी में मैनेजर बनेंगे, सीइओ बनेंगे तो आपको गांव के जीवन के बारे पता होना चाहिए। गांव की जिंदगी कैसे चलती है, यह किताब में नहीं, गांव में जाकर ही समझ सकते हैं। तभी आपकी शिक्षा भी पूर्ण समझी जाएगी। उन्होंने एक सवाल के जवाब में यह भी कहा कि हमें कानून की जानकारी तो होनी चाहिए। आपको पता होना चाहिए कि सार्वजनिक स्थानों पर नशा नहीं करना है। हत्या करने का अंजाम क्या होगा, यह पता होना चाहिए। आप यह कहकर नहीं बच सकते कि हमें इसकी सजा या कानून के बारे में जानकारी नहीं थी। भारत के नागरिक को कानून तो जानना ही चाहिए। उन्होंने अपना उद्बोधन कविता से समाप्त किया...मंजिल से आगे बढ़कर मंजिल तलाशकर, मिल जाए तुझको दरिया तो समंदर तलाशकर, हर शीशा टूट जाता है पत्थर के जोर से, पत्थर टूट जाए वह शीशा तलाशकर।

चुनौतियों से जुड़ें छात्र : निदेशक

आइआइएम रांची के निदेशक प्रो. दीपक कुमार श्रीवास्तव ने यंग चेंजमेकर्स प्रोग्राम को लागू करने के बारे में बताया। उन्होंने संस्थान की सामाजिक उत्तरदायी और आदिवासी समुदायों के सामने आने वाली चुनौतियों से जुड़ने पर जोर दिया। शैक्षणिक ज्ञान के साथ-साथ जनजातीय भाषाओं में वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के एकीकरण और सामाजिक बुद्धिमत्ता पर प्रकाश डाला। प्रोफेसर अंशुमन हजारिका ने अंत में धन्यवाद ज्ञापन किया।

Dainik Jagran_27.05.2023_Pg. 6